ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–०८
दिनांक- शुक्रवार, २८ जनवरी, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 18.4 एवं 9.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 60 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.4 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.8 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 1.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 12.2 एवं दोपहर में 21.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(29 जनवरी–02 फरवरी, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 29 जनवरी–02 फरवरी, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। पूरे पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में पछिया हवा चलने से ठंड का प्रकोप बने रहने की सम्भावना है। सुबह में हल्का कुहासा छा सकता है। दिन में मौसम साफ रहने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 20 से 22 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 7 से 10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पिछात बोयी गई गेहूँ की फसल में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई दें रहें हो तो २.५ किलोग्राम जिंक सल्फेट, १.२५ किलोग्राम बुझा हुआ चुना एवं १२.५ किलोग्राम युरिया को ५०० लिटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से १५ दिन के अन्तराल पर दो बार छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें। दीमक कीट का प्रकोप फसल में दिखाई देने पर बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०–३० किलो बालू में मिलाकर खड़ी फसलों में समान रूप से व्यवहार करें।
- पिछात सरसों में लाही की निगरानी करे। ये सुक्ष्म आकार का कीट है, जो पौधो पर स्थायी रुप से चिपके रहते है एवं पौधो की जड़ो को छोड़कर शेष सभी मुलायम भागो, तने व फलीयों का रस चुसते है। इस कीट से बचाव के लिए डाईमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- अरहर की फसल में फल मक्खी कीट की निगरानी करे। इस कीट के मैगट बीजों को खाते है। जिस स्थानों पर मैगट खातें है, वहाँ कवक एवं जीवाणु उत्पन हो जाते है। फलस्वरूप ऐसे दाने खाने योग्य नही रह जाते है और उपज में काफी कमी आती है। इस कीट से बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराइड दवा १.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- दीमक से प्रभावित आम और लीची की बगान में क्लोरपाईरिफॉस २० ई०सी० / २.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर मुख्य तने एवं उसके आस-पास की मिट्टी में छिड़काव करें। ऐसा करने से दीमक की उग्ररता में कमी आती है। इन बागों में अभी फूल एवं फल आने का समय हो रहा है। अतः किसान भाई अपने बगीचे में इमिडाक्लोप्रीड १७.८ एस०एल०/०.५ मी०ली०/ली० एवं घुलनशील गंधक (सल्फर) ८० डब्लू०पी०/ २ ग्रामध्लीटर पानी की दर से घोल कर पत्तियों पर समान रुप से छिड़काव करें। जिससे आने वाले समय में क्रमशः हापर एवं पौउड्री मिल्डेव की उग्रता में कमी आयेंगी। वर्त्तमान में इन बागानों में किसी भी प्रकार का कर्षण क्रिया एवं अगले मार्च (फल के मटर आकार के बनने) तक सिंचाई नहीं करें।
- मटर में फली छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों में जालीनूमा आवरण बनाकर उसके नीचे फलियों में प्रवेश कर अन्दर ही अन्दर मटर के दानो को खाती रहती हैं। एक पिल्लू एक से अधिक फलियों को नष्ट करता है। अक्रान्त फलियाँ खाने योग्य नही रह जाती, जिससे उपज में अत्यधिक कमी आती है। कीट प्रबन्धन हेतु प्रकाश फंदा का उपयोग करें। १५-२० टी आकार का पंछी बैठका (वर्ड पर्चर) प्रति हेक्टर लगावे। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफास २५ ई० सी० या नोवाल्युरॉन १० ई० सी० का १ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें।
- आलू की अगात प्रभेद की तैयार फसलों की खुदाई करें। बीज वाली फसल की ऊपरी लत्ती की कटाई कर लें तथा खुदाई के १५ दिनों पूर्व सिंचाई बन्द कर दें। पिछात आलू की फसल में कटवर्म या कजरा पिल्लू की निगरानी करें।
- पिछात फूलगोभी, पत्तागोभी, गाजर, मूली, मटर,बैंगन, टमाटर एवं मिर्च फसलों में निराई-गुराई एवं सिंचाई करते रहें। इन फसलों में रोग-व्याधि से बचाव हेतु कार्बेन्डाजीम (वेविस्टीन)/ २.० ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर समान रुप से छिड़काव करें। गरमा सब्जी की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें।
- कोल्ड-डे (Cold Day) के प्रभाव से वचाव हेतु दुधारु पशुओं को पुआल का मोटा बिछावन लगावें एवं खिड़की, दरवाजे पर बोरा लगाएं। खाने में तेलहन अनाज को पीसकर दें एवं सेंधा नमक ५० ग्राम प्रति दिन दें। हरा चारा के साथ सूखा भुसा आवश्य मिलाए। दुधारु एवं गाभीन गायों को प्रति दिन १ किलोग्राम अतिरिक्त दाना मिश्रण दें। साफ एवं गुनगुना पानी पूरे दिन पिलाए।

आज का अधिकतम तापमानः १७.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ६.२ डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः ९.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.५ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी